

ख़बर संक्षेप

कटकोनी में जलभराव बना जानलेवा, प्रशासन मौन



15 दिन में समाधान नहीं तो एनएच-43 पर चक्काजाम की चेतावनी

शहडोल। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-43 पर शहडोल से बुढ़ार होते हुए अनुपपुर जाने वाले मार्ग में कटकोनी के प्रवेश द्वार पर वर्षों से बना जलभराव अब गंभीर समस्या का रूप ले चुका है। लगातार हो रही बारिश के बाद स्थिति और भी विकट हो गई है। सड़क पर पानी भर जाने से न केवल यातायात बाधित हो रहा है, बल्कि आए दिन दुर्घटनाएँ भी सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि हाईवे के नीचे बनी जल निकासी की क्रॉस ड्रेनेज संरचना कुछ लोगों द्वारा अवरुद्ध कर दी गई है, जिसके कारण बरसाती और नाली का पानी सड़क एवं आसपास के क्षेत्र में जमा हो रहा है। सबसे अधिक परेशानी कटकोनी स्थित मारुति नंदन पेट्रोल पंप को उठानी पड़ रही है। पेट्रोल पंप परिसर में लगातार पानी भरने से व्यवसाय प्रभावित हो रहा है, वहीं पेट्रोल एवं डीजल जैसे ज्वलनशील पदार्थों के बीच जलभराव सुरक्षा की दृष्टि से भी गंभीर चिंता का विषय बन गया है। पेट्रोल पंप संचालक हनुमान खंडेलवाल ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार कलेक्टर, पुलिस प्रशासन, स्थानीय सांसद, विधायक, जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत के सरपंच एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को लिखित शिकायतें दी जा चुकी हैं, लेकिन आज तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि वर्षों से चली आ रही इस समस्या के कारण आम नागरिकों, व्यापारियों और राहगीरों को रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर थरे पानी से वाहन चालकों को गड़्डों का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दोपहिया वाहन फिसलने की घटनाएँ बढ़ रही हैं। तेज रफ्तार से गुजरने वाले भारी वाहनों के कारण पानी की बौछारें राहगीरों और दुकानदारों पर गिरती हैं, जिससे लोगों में लगातार आक्रोश बढ़ रहा है। वहीं लंबे समय तक जलभराव रहने से सड़क भी क्षतिग्रस्त हो रही है, जिससे भविष्य में बड़े हादसे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। समाजसेवी एवं पूर्व महामंत्री जिला कांग्रेस कमिटी शहडोल रविकांत शर्मा ने भी प्रशासन से तत्काल स्थायी समाधान की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते जल निकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। इधर, हनुमान खंडेलवाल ने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर चक्काजाम किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। अब देखा जा रहा होगा कि जिम्मेदार विभाग इस चेतावनी के बाद सक्रिय होते हैं या फिर वर्षों पुरानी यह समस्या यूं ही लोगों को परेशानी और दुर्घटनाओं का कारण बनी रहेगी।

बिलासपुर जोन ने थपथपाई अपनी ही पीट, 3 घंटे का चक्काजाम कर 450 टन के गार्डर का मनाया ऐसा जश्न, मानो चांद पर गाड़ दिया हो झंडा!

शहडोल। काम ऐसा करो कि जनता भले पिस जाए, लेकिन अखबारों में आपकी वाहवाही का ढोल जरूर बजना चाहिए! बिलासपुर रेलवे जोन और उसके मेहरबान ठेकेदारों ने रविवार को अमलाई में इसी नीति का शानदार नजारा पेश किया। अमलाई-बुढ़ार के बीच रेलवे ओवरब्रिज पर 450 टन वजनी लोहे के विशालकाय ढांचे (ओपन वेब गर्डर) को पटरियों के ऊपर रखने के लिए रेलवे ने ऐसा महासमर रचा, मानो कोई बहुत बड़ा एहसान कर दिया हो। 14 करोड़ 92 लाख की लागत वाले इस लोहे के टुकड़े को खड़ा करने के लिए 1000 टन क्षमता वाली दानवाकार क्रेन मंगवाई गई और फिर शुरू हुआ बिलासपुर जोन के इतिहास में पहली बार क्राउलर क्रेन से चमत्कार करने का हिंदौरा पीटना।

रेलवे का ऐतिहासिक आत्ममुग्ध राग!

रेलवे के बड़े-बड़े अधिकारियों ने इस अभूतपूर्व कारनामे के लिए पूरे 3 घंटे का मेगा ब्लॉक लेकर पूरे इलाके का रेल और सड़क



यातायात ठप्प कर दिया। हद तो यह है कि जब काम 2 घंटे 40 मिनट में खत्म हुआ, तो रेलवे के आका अपनी ही पीट ऐसे थपथपाने लगे जैसे उन्होंने कोई नोबेल पुरस्कार जीत लिया हो। साहब, तय समय से 20 मिनट पहले काम खत्म हो गया, अरे हुजूर, उन 2 घंटे 40 मिनटों का हिसाब कौन देगा, जिनमें सैकड़ों बेबस यात्री अमलाई स्टेशन पर ट्रेन की बोगियों में बंद होकर उबलते रहे? सड़क पर एम्बुलेंस से लेकर गाड़ियाँ रंगती रहीं, लेकिन हमारे इंजीनियर साहबान तो 450 टन के लोहे को क्रेन से हवा में लटकाकर अपनी तकनीकी दक्षता का जश्न मनाने में मस्त थे।



पूनम कंस्ट्रक्शन और एसएसव्ही इंफ्रा की जुगलबंदी

इस पूरे तमाशे के असली सूत्रधार रहे नागपुर की पूनम कंस्ट्रक्शन और एस.एस.वी. इंफ्रास्ट्रक्चर के सूरमा! गर्डर के फैब्रिकेशन से लेकर लॉन्चिंग तक, इन कंपनियों ने ऐसा माहौल बनाया जैसे कोई बॉलीवुड की ब्लॉकबस्टर मूवी की शूटिंग चल रही हो। सुरक्षा मानकों का ऐसा महिमामंडन किया गया कि मानों इससे पहले रेलवे में कभी काम ही न हुआ हो। मौके पर जुटी भीड़ को रेलवे की ऐतिहासिक उपलब्धि देखने आए उत्सुक लोग बताया जा रहा है। अरे साहब, जब सड़क बंद कर



दोगे, ट्रेनें रोक दोगे, तो फंसा हुआ आदमी क्रेन को देखने के अलावा और क्या करेगा? उसे रोमांच नहीं, बल्कि अपने गंतव्य तक पहुँचने की बेबसी खींचे खड़ी थी, जिसे रेलवे अफसर जनता का भारी उत्साह समझ बैठे।

15 करोड़ का प्रचार स्टंट या असली विकास

बिलासपुर जोन के दफ्तरों से बड़े-बड़े बयान जारी किए जा रहे हैं कि यह उपलब्धि भविष्य की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए नया मानक स्थापित करेगी। लेकिन सवाल यह है कि क्या भविष्य के सुगम सफर का यह मानक वर्तमान की

जनता का गला घोटकर ही बनेगा? ₹14.92 करोड़ की इस लागत में क्या यात्रियों की परेशानी का मुआवजा शामिल था? कागजों में इसे आधुनिक इंजीनियरिंग और समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण कहा जा रहा है, लेकिन हकीकत यह है कि यह सिर्फ और सिर्फ रेलवे की अपनी कमियों को ढकने के लिए गढ़ा गया एक विशालकाय पीआर स्टंट था।

पीआर की बाजीगरी में अव्वल, जनसुविधा में फिसड़ी!

अमलाई स्टेशन के पास 1000 टन की क्रेन लाकर रेलवे ने यह तो साबित कर दिया कि उसके पास भारी मशीनें उठाने की ताकत है, लेकिन अफसोस कि उसके पास आम आदमी के वक्त और मजबूरी की कद्र करने का रस्ती भर भी विवेक नहीं है। बिलासपुर जोन चाहे जितने भी ऐतिहासिक कारनामों की तख्तीयाँ टांग ले, अमलाई में इतवार को फंसे मरीजों और मुसाफिरों की बददुआएँ इस 450 टन के गर्डर पर हमेशा दर्ज रहेंगी।

झोलाछाप डॉक्टर की वजह से लोगों का जीवन आफत में कार्यवाही की मांग

मानपुर। जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम देवरी में संदीप साना नमक व्यक्ति बिना डिग्री एवं बिना लाइसेंस के दवा करने में माहिर हैं जबकि इनके पास ना तो कोई डिग्री है और ना ही कोई लाइसेंस जब की गाइडलाइन के अनुसार बिना डिग्री एवं बिना बिना डिप्लोमा के दवा करना गैरकानूनी है

जाड़ुई सुई लगाते हैं संदीप साना

विशेष सूत्रों के द्वारा यह भी बताया गया है की ग्राम देवरी में संदीप साना सुई ही नहीं दवा भी देते हैं और बोतल भी चढ़ाते हैं, जबकि बिना डिग्री और बिना डिप्लोमा के दवा करना गैर कानूनी है, लेकिन संदीप सोना सभी नियमों को तोड़ते हुए बिना किसी डर वा भय के दवाओं का भंडारण कर धड़ल्ले से दवा करने में बिल्कुल भी नहीं हिचकिचाते कलेक्टर श्रीमती राखी



सहाय एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी इस मामले को संज्ञान में लेते हुए त्वरित कार्यवाही करें ताकि लोगों का जीवन बच सके और लोग सुरक्षित रहें। जब इस संबंध में मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन.पी.जैसल को फोन पर संपर्क कर जानकारी चाहने की कोशिश की गई तो, उनके द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया।

अनुसूचित जनजाति कन्या छात्रावास का कोतवाली पुलिस ने किया निरीक्षण

छात्राओं को सुरक्षा एवं महिला संबंधी अपराधों से बचाव के प्रति किया जागरूक



शहडोल

पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में महिला एवं छात्राओं को सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कोतवाली पुलिस द्वारा पांडवनगर स्थित अनुसूचित जनजाति कन्या छात्रावास का निरीक्षण किया गया। कोतवाली थाना प्रभारी ने पुलिस स्टाफ के साथ छात्रावास पहुंचकर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान छात्रावास में उपलब्ध सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई तथा छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को महिला एवं बालिका सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारीयें देते हुए किसी भी प्रकार की समस्या अथवा असुरक्षा की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना देने के लिए प्रेरित किया। छात्राओं को आपात स्थिति में पुलिस की सहायता लेने तथा जागरूक एवं सतर्क रहने के संबंध में भी समझाइश दी गई। पुलिस द्वारा छात्राओं को साइबर अपराध, महिला संबंधी अपराधों एवं अन्य अस्माजिक गतिविधियों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियों की जानकारी देते हुए सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस विभाग छात्राओं को सुरक्षा को प्रतिक्रिया देते हुए शैक्षणिक संस्थानों एवं छात्रावासों में सुरक्षा व्यवस्था की निरंतर निगरानी एवं जागरूकता गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त शिक्षक अरुण मिश्र हुए सेवानिवृत्त सम्मान समारोह में उमड़ा जनसैलाब

शहडोल। शासकीय हाई स्कूल जोधपुर के प्राचार्य, म.प्र.शिक्षक संघ शहडोल के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से अलंकृत अरुण कुमार मिश्र ने अपने 40 वर्षों की गौरवशाली शैक्षिक सेवा काल पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए। शासकीय हाई स्कूल जोधपुर में आयोजित भव्य विदाई समारोह में समारोह की शुरुआत संभागीय उपायुक्त जन जाति कार्य एवं अनु जा विकास शहडोल संभाग शहडोल जे पी यादव सर ने अपने उद्बोधन में अरुण मिश्र जी की सेवा काल को उत्कृष्टता के साथ रखते हुए कहा कि मिश्रा जी समय के पावंद एवं अनुशासन के साथ सेवा देते हुए अपने 40 वर्षों की सेवा पूरी की। संभागीय उपायुक्त ने अरुण मिश्रा के सेवा काल को कविता के माध्यम से व्यक्त किया।

सम्मान समारोह के मंच पर विराजमान भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष अमिता कचरा ने प्राचार्य अरुण मिश्र बारे में बोलते हुए कहा कि मुझे गर्व जब होता है कि जब इस प्रकार के सहज, सरल व्यक्तित्व के धनी अरुण मिश्र जी एक अनुशासित एवं कर्तव्य निष्ठ शिक्षक अपने आप को यथास्थान रखते हैं एवं किसी के प्रति कोई भेद भाव न रखते हुए शिक्षक पद की गरिमा कायम रखते हुए शिक्षक परिवार एवं समाज में स्थान बनाते हैं।

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष



अनुपम अनुराग अवस्थी ने प्राचार्य अरुण मिश्र जी को सेवाओं का उल्लेख करते हुए अपना पारिवारिक संबंध बताया। अरुण मिश्र के सम्मान समारोह में सहायक आयुक्त आनंद राय सिन्हा जी ने कहा कि आज के परिवेश में अरुण मिश्र ने अपने शिक्षकीय दायित्व का बखूबी निर्वहन किया है मेरा -अरुण का संबंध अटूट है मैं आपके लिए हमेशा परिवार के समान रहूंगा। कार्यक्रम को सहायक संचालक एवं कौंट्या प्राचार्य संजय पांडेय, बीईओ सोहागपुर एस पी एस चंदेल, गोहपारू बीईओ एवं के पांडेय, रघुराज विद्यालय के पूर्व प्राचार्य बालेन्दु पांडेय, पूर्व नगर पालिका अधिकारी धनुपुरी रवि करण त्रिपाठी, संकुल प्राचार्य डी.सी.शुक्ला , तीर्थ प्रसाद द्विवेदी, शिक्षक संघ के प्रांतीय सचिव महेंद्र त्रिपाठी, जिला अध्यक्ष लालजी तिवारी, शिक्षक संघ के सभी

इकाइयों के पदाधिकारी, संकुल सिंहपुर के सभी शिक्षक/शिक्षिकाओं, गांव के गणमान्य लोग परिवार के सभी लोग, रिस्तेदार एवं अन्य लोग उपस्थित रहे। सम्मान समारोह में अरुण मिश्र के गुरु महाराज भी मंचासीन रहकर आशीर्वाद दिये । अरुण के बेटियों द्वारा अपने विचार एवं गीत गाए गये ।इसके पूर्व भजनों का कार्यक्रम भी कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के बच्चियों द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए गए। विद्यालय स्टाफ द्वारा सेवा निवृत्त हो रहे प्राचार्य अरुण मिश्र को शाल श्रीफल गिफ्ट भेंट किया गया। शिक्षकों का भारी समूह अरुण मिश्र को सम्मानित करने के लिए उमड़ पड़ा। कार्यक्रम में शिक्षकों को यह कहते हुए सुना गया कि ऐसा भव्य विदाई समारोह नहीं देखा गया जैसा कार्यक्रम आज संपन्न हुआ।

वन्य जीवों के शिकारियों पर वन अमले का सर्जिकल स्ट्राइक



निवासी बंशीलाल बैगा (42 वर्ष) के घर में चीतल का शिकार कर उसका मांस पकाया जा रहा है। सूचना मिलते ही बिना एक पल की देरी किए खन्नोंधी का वन अमला हरकत में आया और बंशीलाल के ठिकाने की घेराबंदी कर दी। अचानक हुई इस छापेमारी में आरोपी को संभलने का मौका तक नहीं मिला। घर के आंगन में बनी झोपड़ी की तलाशी लेने पर एक बर्तन

में पकता हुआ चीतल का मांस और खाल का टुकड़ा बरामद हुआ। साथ ही घर के भीतर से चीतल की सींग भी जब्त की गई।

साथी आरोपी भी चढ़ा हत्थे

वन स्टाफ द्वारा जब्त किए गए अवशेषों के संबंध में जब कानूनी दस्तावेज मांगे गए, तो आरोपी बंशीलाल

कोई जवाब नहीं दे सका। मौके से वन्यप्राणी के अवयवों को विधिवत सील-पैक कर जब्त किया गया। कड़ाई से की गई पूछताछ में आरोपी ने कबूला कि उसने अपने साथी संतोष सिंह उम्र 31 वर्ष निवासी सल्दा के साथ मिलकर बेजुबान चीतल का शिकार किया था। इसके बाद टीम ने तत्काल दूसरे आरोपी संतोष सिंह को भी हिरासत में ले लिया।

कोर्ट में पेशी के बाद सीधे जेल रवानगी

दोनों आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की विभिन्न गंभीर धाराओं (धारा 9, 39, 44, 48, 51 एवं 57) के तहत वन अपराध दर्ज किया गया। मेंडिकल परीक्षण के बाद दोनों शिकारियों को माननीय न्यायालय जिला शहडोल के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहाँ से उन्हें सीधे जिला जेल शहडोल भेज दिया गया। इस पूरी सफल और साहसिक कार्रवाई में वन परिक्षेत्राधिकारी सुदीप मिश्रा, परिक्षेत्राधिकारी बहादुर सिंह श्याम, परिक्षेत्र सहायक राजेन्द्र पाण्डेय, वन रक्षक बीटगार्ड खोही, सेमरा, चंदौल, अंकुरी और समस्त वन स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही। ग्रामीणों और पर्यावरण प्रेमियों ने वन विभाग की इस कड़े रख की जमकर तारीफ की है।

एसपी ने छत्तीसगढ़ बॉर्डर की चौकियों का औचक निरीक्षण

शहडोल। जिले में अमन-चैन बनाए रखने और सीमा पार से होने वाली अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह नकेल कसने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक श्री संजय कुमार अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा से लगी पुलिस चौकियों—केशवाही, दर्शीला और झींक बिजुरी का अचानक औचक निरीक्षण किया। एसपी के इस औचक दौरे से सीमावर्ती क्षेत्रों में हड़कंप का माहौल रहा, वहीं कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अधिकारियों को मौके पर ही जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए।

चौकस पहरा और सख्त चेकिंग के निर्देश

निरीक्षण के दौरान पुलिस कप्तान ने चौकियों के संसाधनों, अपराध रजिस्ट्रों और उपलब्ध अभिलेखों का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने चौकी प्रभारियों और पुलिस बल को स्पष्ट निर्देश दिए कि सीमावर्ती क्षेत्रों में परीदा भी पर न मार सके। संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की लगातार सघन जांच की जाए। साथ ही मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध परिवहन पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए रॉटर गश्त बढ़ाने और खुफिया सूचना तंत्र को अधिक सक्रिय करने के आदेश दिए।

जनता से संवाद और संवेदनशीलता पर जोर

एसपी श्री अग्रवाल ने केशवाही कस्बे के साथ-साथ दर्शीला और झींक बिजुरी के दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों का भी भ्रमण किया। उन्होंने पुलिस जवानों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि आम जनता के बीच पुलिस की छवि मित्रवत होनी चाहिए। ग्रामीणों से बेहतर संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का संवेदनशीलता से समाधान करें। क्षेत्र में शांति और सुरक्षा का माहौल बनाए रखना प्राथमिकता है।

चीतल का मांस और

सींग बरामद, 2 आरोपी जेल की सलाखों के पीछे!

वन संरक्षक और डीएफओ के मार्गदर्शन में खन्नोंधी टीम की बड़ी कार्रवाई

शहडोल। दक्षिण शहडोल वन मंडल अंतर्गत खन्नोंधी परिक्षेत्र में वन्यजीव तस्करोँ और शिकारियों के खिलाफ वन विभाग ने अब तक की सबसे कड़ा प्रहार किया है।

मुख्य वन संरक्षक श्री महेंद्र प्रताप सिंह के कुशल निर्देशन एवं वनमंडलाधिकारी सुश्री श्रद्धा पट्टे के ऊर्जावान नेतृत्व में वन अमले ने सुबह-सुबह दबिश देकर चीतल का शिकार करने वाले दो आरोपियों को रो हाथों धर दबोचा। वन विभाग की इस त्वरित और सख्त कार्रवाई से क्षेत्र के शिकारियों और वन्यजीव तस्करोँ में हड़कंप मच गया है।

घर में पक रहा था पका हुआ मांस

प्राप्त जानकारी के अनुसार, वन परिक्षेत्र खन्नोंधी की टीम को 1 अगस्त 2026 को सुबह तड़के 05 बजे एक सटीक मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम सल्दा



मुख्यालय से नदाराट पटवारी, ग्रामीणों को प्रमाण पत्र और सीमांकन के लिए काटने पड़ रहे चक्कर
कोतमा। कोतमा तहसील क्षेत्र में पटवारियों के अपने निर्धारित मुख्यालय पर निवास नहीं करने से ग्रामीणों और किसानों को राजस्व संबंधी कार्यों के लिए लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रमाण पत्र, सीमांकन, नामांरण, ऋण पुस्तिका, फार्मर आईडी तथा भूमि अभिलेखों से जुड़े कार्य समय पर नहीं हो पा रहे हैं, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि अधिकांश पटवारी अपने हल्का मुख्यालय या संबंधित गांव में रहने के बजाय शहरी क्षेत्रों अथवा अन्य स्थानों से आवागमन करते हैं। ऐसे में जब लोग अपने आवश्यक कार्यों के लिए पटवारी कार्यालय पहुंचते हैं तो अक्सर कार्यालय बंद मिलता है या संबंधित पटवारी उपलब्ध नहीं रहते। इससे दूर-दराज के गांवों से आने वाले लोगों को बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं, जिससे उनका समय और आर्थिक संसाधन दोनों व्यर्थ होते हैं। बताया जाता है कि शासन एवं मुख्यमंत्री के साथ-साथ जिला प्रशासन द्वारा भी समय-समय पर पटवारियों को मुख्यालय पर रहकर नियमित रूप से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बावजूद कई स्थानों पर इन निर्देशों का प्रभाव धरातल पर दिखाई नहीं दे रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शिकायतें किए जाने के बाद भी लापरवाह कर्मचारियों के विरुद्ध प्रभावी प्रशासनिक कार्रवाई नहीं होने से स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हो पा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मुख्यालय से अनुपस्थित रहने वाले पटवारियों की नियमित निगरानी की जाए और बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों और आम नागरिकों को समय पर राजस्व सेवाओं का लाभ मिल सके।

हर घर तिरंगा अभियान के सफल संचालन हेतु सीईओ जिला पंचायत नोडल अधिकारी नियुक्त
उमरिया। भारत सरकार वर्तमान में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने का स्मरण कर रही है। राष्ट्रीय क्रियाच्यन समिति, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री द्वारा की जाती है, ने 13 जुलाई 2026 को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके अनुसार हर घर तिरंगा 2026 अभियान का आयोजन 9 अगस्त से 17 अगस्त 2026 किया जाना है। इस संबंध में सभी विभागों, जिला प्रशासन, नगरीय निकायों, पंचायत राज संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थानों तथा अन्य संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए हर घर तिरंगा 2026 अभियान को सफल बनाने जाने हेतु आयोजित की जाने वाली गतिविधियों का विवरण जारी किया गया है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने आयोजन हेतु अभय सिंह मुख्य कार्यापालन अधिकारी जिला पंचायत उमरिया को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

12 को संयुक्त जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक

उमरिया। संयुक्त जिला स्तरीय प्दामर्शदात्री समिति की बैठक 12 अगस्त को समय आपराह्न 3.30 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में आयोजित की गई है। आयोजित बैठक में संबंधित जानकारी के साथ नियत तिथि एवं समय पर उपस्थित होने की अपेक्षा की गई है।

बारिश थमते ही फिर सक्रिय हुए रेत माफिया
राजनगर। राजनगर, डोला, सेमरा, बरतराई एवं आसपास के क्षेत्रों में बारिश थमते ही एक बार फिर कथित रूप से अवैध रेत उत्खनन और परिवहन का कारोबार सक्रिय होने के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात करीब 10 बजे के बाद नदी-नालों और जंगल क्षेत्रों से ट्रैक्टरों के माध्यम से लगातार रेत निकाली जा रही है तथा कई स्थानों पर उसका बड़े पैमाने पर भंडारण किया गया है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार सेमरा से शालिनगर कुल्हड़िया नाला, केरहा के पीछे, लगगा-टांकी जंगल, झीमर मरघटी, राजनगर बड़ा मैगजीन, राजनगर ओसीएम मैगजीन के पीछे, रामजनार राम मंदिर ओसीएम क्षेत्र तथा दुमरकछार जंगल सहित कई स्थानों पर रेत उत्खनन और भंडारण की गतिविधिया देखी जा रही हैं।

पंचायत से एनओसी तक नहीं, अफसरों की मेहरबानी पर धड़ल्ले से चल रहा खनन का खतरनाक खेल
कागजी पेड़ों के सहारे प्रदूषण बोर्ड की अंधी गवित!

मानपुर। कानून का खौफ किसे कहते हैं? शायद यह सवाल मानपुर के जनपद अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत रक्सा में जाकर पूछना बेकार है। यहाँ तो नियम और प्रशासनिक गाइडलाइंस कागजों में दम तोड़ चुकी हैं और गुलाब गुप्ता क्रेशर की दबंगई अपने पूरे शबाब पर है। खदान संचालन के सरकारी मापदंडों को ताक पर रखकर संचालक महोदय ने इतनी गहराई तक खुदाई कर डाली है कि जमीन पर मौत को दबत देती विशालकाय खाइयाँ बन गई हैं। हद तो यह है कि जिस क्रेशर को चलाने के लिए ग्राम पंचायत की अनुमति तक नहीं ली गई, वह बेधडक, बेखौफ और बिना किसी अड़चन के दिन-रात गड़गड़ा रहा है। अब सवाल यह उठता है कि आखिर किस ताकतवर छत्रछाया के दम पर यह पूरा अवैध खेल सरेआम फल-फूल रहा है?

500 मीटर के डेंजर ज़ोन का उड़ाया मखौल

सरकारी कागजों के मुताबिक, खसरा नंबर 530/1/1, 530/1/2 और 530/1/3 (कुल रकबा 1.619 हेक्टेयर) के चारों ओर बाउंड्री पिलर और सुरक्षा फेंसिंग होना अनिवार्य है। लेकिन मौके पर सुरक्षा के नाम पर ठन-ठन गोपाल वाली स्थिति है।



न तो पटवारी रजिस्टर में इंद्राज की जहमत उठाई गई और न ही ग्राम पंचायत को सूचित करना मुनासिब समझा गया। महानिदेशालय द्वारा तय 500 मीटर के डेंजर ज़ोन के नियमों का सरेआम जनाजा निकाला जा रहा है। न कोई चेतावनी बोर्ड, न कोई सुरक्षा का बंदोबस्त—मानो यह खदान नहीं, बल्कि हादसों को न्योता देने का खुला मंच हो।

जीपीएस में लहलहा रहे कागजी जंगल

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साहबों की कार्यशैली पर भी बलिहारी जाइए! बोर्ड के नुमाइंदों का बड़े इत्मीनान से दावा है कि खदान क्षेत्र में पर्याप्त पेड़ लगे हुए हैं। साक्ष्य के तौर पर उनके पास जीपीएस

शहडोल, उमरिया, अनूपपुर-आसपास

नियमों को अंगूठा, सुरक्षा को टेंगा

रक्सा में गुलाब गुप्ता क्रेशर का अवैध राज!

वाली तस्वीरें भी मौजूद हैं। मगर हज़ुर, ज़रा दफ़्तर की एयरकंडीशंड कुर्सियों से उठकर धरातल पर कदम तो रखिए, ज़मीन पर न तो सुरक्षा की कोई दीवार नज़र आती है और न ही वे पेड़, जो साहबों की जीपीएस तस्वीरों में लहलहा रहे हैं। ऐसा लगता है कि प्रदूषण बोर्ड के जीपीएस कैमरों को कोई खास चश्मा लगा हुआ है, जिसे ज़मीन पर कटते पेड़ और उड़ती धूल दिखाई ही नहीं देती, कागजों पर प्रदूषण बोर्ड का बैनर टांग देने भर से अमर पर्यावरण बच जाता, तो फिर अफसरों को तनख़्वाह किस बात की मिल रही है?

मलबे से उपजाऊ ज़मीन हुई बंजर

क्रेशर से उठते धूल के विकराल गुबार ने

जिले में उर्वरक वितरण हाइब्रिड मोड से होगा

उमरिया। किसानों को समय पर एवं पारदर्शी तरीके से उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कृषि विभाग ने उमरिया जिले में उर्वरक वितरण व्यवस्था को हाइब्रिड मोड से संचालित करने के कड़े निर्देश जारी किए हैं। उप संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास द्वारा जारी आदेश के अनुसार 30 जुलाई 2026 से आगामी आदेश तक जिले के सभी सहकारी एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं को इस नई व्यवस्था का सख्ती से पालन करना अनिवार्य होगा।

2030 तक बच्चों की ट्रैफिकिंग के खिलाफ चलेगा राष्ट्रीय अभियान, सम्मेलन में हार्ड ने लिया संकल्प

कोतमा। जिले में बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत गैर-सरकारी संस्था होलिस्टिक एक्शन रिसर्च एंड डेवलपमेंट (हार्ड) ने विश्व मानव दुर्घांपार विरोधी दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेकर बच्चों की ट्रैफिकिंग के खिलाफ निर्णायक अभियान चलाने का संकल्प लिया। संस्था ने सरकार, प्रशासन और आम नागरिकों के सहयोग से जिले में बाल तस्करी की रोकथाम के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने तथा ट्रैफिकरों की पहचान कर उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई कराने की प्रतिबद्धता जताई। नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय परामर्श इंशोरिंग ए् चाइल्ड राइट्स, पोर्टेथियल एंड प्रॉस्पेरिटी के दौरान जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) नेटवर्क ने वर्ष 2030 तक नेशनल कैपेन ऑगेंस्ट चाइल्ड ट्रैफिकिंग चलाने की घोषणा की। इस सम्मेलन में देश के 782 जिलों से 250 से अधिक नागरिक समाज संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। हार्ड भी जेआरसी का सहयोगी संगठन है। सम्मेलन के उद्घाटन



सत्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि किसी भी बच्चे का जीवन बचाना सबसे बड़ा मानवता का कार्य है। उन्होंने कहा कि छोटी बच्चियां अक्सर मानव तस्करी का शिकार होकर अपने परिवारों से बिछड़ जाती हैं और ऐसे बच्चों को सुरक्षित बचाने वाले सामाजिक संगठन समाज के लिए किसी फरिश्ते से कम नहीं हैं। हार्ड के निदेशक सुशील कुमार शर्मा ने बताया कि देश में प्रतिदिन औसतन छह बच्चे मानव तस्करी का

शिकार होते हैं, जबकि पांच बच्चों को जबरन मजदूरी के लिए मजबूर किया जाता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार हर घंटे 11 बच्चे लापता हो जाते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या मानव तस्करी का शिकार बनती है। उन्होंने कहा कि हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी के बाद मानव तस्करी दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा संगठित अपराध है, जिसका सबसे अधिक शिकार महिलाएं और सुशील कुमार शर्मा ने बताया कि देश में प्रतिदिन औसतन छह बच्चे मानव तस्करी का

लोग होते हैं, जो आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को नौकरी, बेहतर जीवन और अधिक आय का लालच देकर अपने साथ ले जाते हैं तथा बाद में उन्हें बंधुआ मजदूरी, भिक्षावृत्ति और देह व्यापार जैसे अमानवीय अपराधों में धकेल देते हैं। सुशील कुमार शर्मा ने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य ट्रैफिकिंग की रोकथाम, बच्चों का सुरक्षित रेस्क्यू, पीड़ित बच्चों का प्रभावी पुनर्वास तथा कमजोर परिवारों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना है। इसके लिए जिले में जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे, जोखिम वाले परिवारों की पहचान की जाएगी और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित होकर मानव तस्करी के गिरोहों के चंगुल में न फंसे। गौरतलब है कि जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन नेटवर्क दुनिया का सबसे बड़ा कानूनी हस्तक्षेप कार्यक्रम संचालित करता है। नेटवर्क के सहयोगी संगठनों के संयुक्त प्रयासों से अप्रैल 2023 से दिसंबर 2025 के बीच देशभर में 1,22,516 बच्चों को मानव तस्करी से मुक्त कराया जा चुका है।

मुंशी प्रेमचंद जयंती पर सजी साहित्यिक महफिल, कवियों ने बांधा समां भालूमाड़ा में प्रगतिशील लेखक संघ का आयोजन

भालूमाड़ा। हिंदी साहित्य के महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर कोयलांचल नगरी भालूमाड़ा में प्रगतिशील लेखक संघ के तत्वावधान में एक भव्य साहित्यिक आयोजन संपन्न हुआ। साहित्य प्रेमी मोहम्मद यासीन खान के निवास पर आयोजित कार्यक्रम में साहित्यकारों, कवियों, पत्रकारों और साहित्य प्रेमियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। आयोजन दो सत्रों में संपन्न हुआ, जिसमें पहले सत्र में मुंशी प्रेमचंद के साहित्य और उनके सामाजिक सरोकारों पर व्याख्यान हुआ, जबकि दूसरे सत्र में कवि सम्मेलन ने देर तक श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किए। पाँच। कार्यक्रम के प्रथम सत्र की अध्यक्षता रामनारायण पांडेय ने की। इस दौरान विजेंद्र सोनी सहित अन्य वक्ताओं ने मुंशी प्रेमचंद के साहित्य, सामाजिक चेतना, समानता, मानवता और वर्तमान समय में उनकी प्रासंगिकता पर विस्तार से विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य आज भी समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रहा है और उनकी रचनाएं सामाजिक बदलाव की प्रेरणा देती



हैं। उपस्थित श्रोताओं ने विचारों की सराहना करते हुए साहित्य और समाज के संबंधों पर सार्थक चर्चा की। द्वितीय सत्र में आयोजित कवि सम्मेलन की अध्यक्षता राजेंद्र सिंह ने की। सम्मेलन में हास्य, व्यंग्य, ओज, गीत और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी रचनाओं का प्रभावशाली पाठ हुआ। कवियों ने अपनी प्रशस्तुति से ऐसा समां बांधा कि श्रोता देर तक तालियां बजाते रहे। कार्यक्रम में वरिष्ठ हास्य कवि एवं कोलरी सेवा से सेवानिवृत्त मोहम्मद सफी का शाल एवं सम्मान प्रतीक भेंट कर सम्मानित किया गया। कवि सम्मेलन में मकबूल अहमद दर्द, विजेंद्र सोनी, कैलाश



एसडीएम बांधवगढ़ ने किया चंदिया बेसहनी मूंग खरीदी केंद्र का निरीक्षण

उमरिया। बांधवगढ़ एसडीएम अंबिकेश प्रताप सिंह ने चंदिया स्थित बेसहनी केंद्र में संचालित मूंग खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र पर चल रही खरीदी प्रक्रिया, किसानों से संबंधित व्यवस्थाओं एवं उपलब्ध अभिलेखों का जायजा लिया। एसडीएम ने खरीदी से संबंधित रिपोर्ट एवं अभिलेखों का सत्यापन करते हुए दर्ज आंकड़ों की वास्तविक स्थिति की

जानकारी ली। अधिकारियों एवं केंद्र प्रभारियों से खरीदी प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक जानकारी भी प्राप्त की गई। इस दौरान बताया गया कि अब तक कुल 1372 क्विंटल मूंग की खरीदी दर्ज की गई है। एसडीएम ने खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने तथा किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान खरीदी केंद्र की व्यवस्थाओं एवं रिकॉर्ड संधारण का भी अवलोकन किया गया।

पाटकर, रामनारायण पांडेय, बालगंगाधर सेंगर, डॉ. असीम मुखर्जी, अमित पोखरियाल, सफी अहमद, दादूबाल, अमरेंद्र सिंह परिहार, अविनाश अग्रवाल, धीरेन्द्र नाहर और सुश्री सुष्मा कैथल सहित अनेक कवियों ने अपनी प्रभावशाली रचनाओं का पाठ किया। कार्यक्रम का सफल संचालन मोहम्मद यासीन खान ने किया। उन्होंने बताया कि साहित्यिक गतिविधियों को निरंतर आगे बढ़ाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है कि अब प्रत्येक माह कोतमा, जमुना, गोविंदा, भालूमाड़ा, बदरा सहित विभिन्न क्षेत्रों में नियमित काव्य गोष्ठियों का आयोजन किया

खबर संक्षेप



हाथियों का आतंक थमा, 38 दिन बाद तीन हाथी लौटे छत्तीसगढ़, मुआवजे की मांग तेज

अनूपपुर। लगभग 38 दिनों तक अनूपपुर जिले के जैतहरी एवं अनूपपुर वन क्षेत्र में विचरण करने के बाद तीन हाथियों का दल रविवार तड़के छत्तीसगढ़ की सीमा में लौट गया। हाथियों के वापस चले जाने से क्षेत्र के ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। लंबे समय तक हाथियों की मौजूदगी के कारण ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना रहा और खेती-किसानी भी प्रभावित हुई। जानकारी के अनुसार, पांच हाथियों का दल करीब 38 दिन पहले छत्तीसगढ़ से अनूपपुर जिले में पहुंचा था। इनमें से एक आक्रामक हाथी को बांधवगढ़ की रेस्क्यू टीम ने शहडोल जिले के केशवाही वन परिक्षेत्र की रामपुर बीट से पकड़कर बांधवगढ़ के जंगल में छोड़ दिया था, जबकि एक अन्य बड़ा हाथी कुछ दिन पहले ही छत्तीसगढ़ लौट गया था। शेष तीन हाथी लगातार जैतहरी और अनूपपुर क्षेत्र में विचरण करते रहे। शनिवार को तीनों हाथी जैतहरी वन परिक्षेत्र की चोलना बीट के सागौन प्लांटेशन में दिनभर रुके रहे। देर रात वे ग्राम पंचायत कुकुरगोंडा क्षेत्र होते हुए गुजरटोला के गुजर नाला को पार कर रविवार सुबह करीब 4 बजे छत्तीसगढ़ के मरवाही वन परिक्षेत्र अंतर्गत सिवनी वन बीट के मालाडांड गांव के समीप बांस प्लांटेशन के कक्ष क्रमांक 2085 में पहुंच गए, जहां उनके विश्राम करने की जानकारी मिली है। इन 38 दिनों के दौरान हाथियों ने कई गांवों में मकानों में घुसकर तोड़फोड़ की। घरों में रखा महुआ एवं शराब पीने के साथ ही खेतों और बाड़ियों में लगी धान, मक्का सहित अन्य फसलों तथा फलों को नुकसान पहुंचाया। हाथियों के हमलों में दो लोग घायल भी हुए। ग्रामीणों और वन विभाग की टीम ने लगातार हाथियों को आबादी से दूर रखने का प्रयास किया, लेकिन कई बार हाथियों ने ग्रामीणों और वन अमले को भी लैड़ा दिया। हाथियों के छत्तीसगढ़ लौटने से अब ग्रामीणों को उम्मीद है कि वे वर्षाकाल में बिना भय के खेती-बाड़ी का कार्य कर सकेंगे। वहीं प्रभावित ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं वन विभाग से नुकसान का सर्वे करकर शीघ्र मुआवजा दिलाने की मांग की है।

अवैध चाकू लेकर लोगों को धमका रहा था आरोपी, सरई पुलिस ने किया गिरफ्तार



अनूपपुर। जिले में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चौकी सरई पुलिस ने एक व्यक्ति को अवैध धारदार चाकू के साथ गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आम्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा एसडीओपी पुष्पराजगढ़ के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी मंगला दुबे के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में लगातार गश्त और संदिग्धों की जांच कर रही है। इसी क्रम में 1 अगस्त को पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति अवैध चाकू लेकर राहगीरों को डरा-धमका रहा है तथा किसी वारदात की फिराक में घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर संदिग्ध को पकड़ लिया। पछताछ में उसने अपना नाम संतोष सिंह गोंड (40 वर्ष), पिता रायसेन सिंह गोंड, निवासी छोटी तुम्ही, थाना पाली, जिला उमरिया बताया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक लोहे का धारदार चाकू बरामद हुआ। हथियार रखने का कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर पुलिस ने चाकू जब्त कर आरोपी के विरुद्ध चौकी सरई में आम्स एक्ट की धारा 25 (बी) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की। अपराध जानमती होने के कारण आरोपी को धारा 35 बीएनएसएस के तहत नोटिस देकर रिहा किया गया।



पुष्पराजगढ़ के गांव-गांव में फैला अवैध कारोबार, कार्रवाई पर उठ रहे गंभीर सवाल आखिर किसके संरक्षण में फल-फूल रहा नेटवर्क? नशा मुक्ति अभियान के दावों के बीच कई गांवों में अवैध शराब बिक्री की शिकायतें

जिले के पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में अवैध अंग्रेजी शराब की पैकारी लगातार फैलने की शिकायतें सामने आ रही हैं। शराब प्रतिबंधित पवित्र नगरी अमरकंटक तक में शराब उपलब्ध होने की चर्चाओं ने प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मेजरी, दमेहडी, लालपुर, करपा, बेनीबारी, सरई, बिलासपुर, खाटी सहित गांव गांव के क्षेत्रों में भी अवैध बिक्री चरम पर है। सवाल यह है कि कार्यवाही के दावों के बावजूद आखिर शराब माफिया किसके संरक्षण में अपना कारोबार बेदरौफ चला रहे है?

अनूपपुर।

सरकारी मंचों पर नशा मुक्ति के संकल्प लिए जाते हैं, स्कूलों में बच्चों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई जाती है, दीवारों पर जागरूकता के पोस्टर चिपकाए जाते हैं और समय-समय पर कार्यवाही के दावे भी किए जाते हैं। लेकिन जमीनी स्तर पर शराब प्रतिबंधित क्षेत्रों और ग्रामीण इलाकों तक अवैध अंग्रेजी शराब की उपलब्धता बनी हुई है, तो यह पूरे तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है।

सरकार नशा मुक्त समाज बनाने के लिए लगातार अभियान चला रही है। स्कूलों में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई जा रही है, रैलियां निकाली जा रही हैं और जागरूकता कार्यक्रमों पर लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। लेकिन पुष्पराजगढ़ क्षेत्र की जमीनी तस्वीर इन दावों से अलग दिखाई दे रही है। क्षेत्र में अवैध अंग्रेजी शराब की बिक्री की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि शराब प्रतिबंधित पवित्र नगरी अमरकंटक तक में अंग्रेजी शराब उपलब्ध होने की चर्चाओं ने प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शराब माफिया बेखौफ होकर कारोबार कर रहे हैं, जबकि जिम्मेदार विभाग कार्रवाई के दावे तक सीमित दिखाई देते हैं। शिकायत मिलने पर कभी-कभार छापेमारी, सीमित जब्ती और प्रेस नोट जारी कर दिया जाता है, लेकिन कुछ दिनों बाद कथित रूप से वही कारोबार फिर शुरू हो जाता है। इससे लोगों के मन में कार्रवाई की प्रभावशीलता को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

बड़ा सवाल-आखिर किसके संरक्षण में चल रहा अवैध शराब का कारोबार ?

पुष्पराजगढ़ क्षेत्र के कई गांवों से लगातार अवैध अंग्रेजी शराब की बिक्री की शिकायतें सामने आ रही हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि शराब प्रतिबंधित अमरकंटक तक में शराब उपलब्ध होने की चर्चाएं स्थानीय स्तर पर हो रही हैं। यदि लगातार शिकायतों के बाद भी यह कारोबार नहीं रुक रहा है, तो स्वाभाविक रूप से सवाल उठता है कि आखिर इस पूरे नेटवर्क को किसका संरक्षण प्राप्त है? यदि संरक्षण नहीं है, तो फिर कार्रवाई का असर जमीन पर क्यों



250 से अधिक गौवंशों को पहनाई रेंडियम बेल्ट सड़क हादसे रोकने में जुटा शिव मारुति युवा संगठन

अनूपपुर।

बेजुबान पशुओं और मानव जीवन की सुरक्षा के उद्देश्य से शिव मारुति युवा संगठन द्वारा संचालित रेंडियम बेल्ट अभियान लगातार तीसरे वर्ष भी पूरे समर्पण के साथ जारी है। संगठन ने 23 जुलाई 2026 से इस वर्ष के अभियान की शुरुआत की, जिसके तहत अब तक 250 से अधिक निराश्रित गौवंशों के गले में रेंडियम बेल्ट बांधी जा चुकी हैं। संगठन के सदस्य प्रतिदिन शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर सड़कों पर विचरण करने वाले निराश्रित गौवंशों को रेंडियम बेल्ट पहनाने का कार्य कर रहे हैं। रात के समय इन बेल्टों की तेज चमक के कारण वाहन चालकों को सड़क पर मौजूद पशु काफी दूर से दिखाई दे जाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना काफी कम हो जाती है। यह पहल एक ओर बेजुबान पशुओं के जीवन की रक्षा कर रही है तो दूसरी ओर राहगीरों और वाहन चालकों की सुरक्षा भी सुनिश्चित कर रही है। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि यह अभियान पूरी तरह सेवा और जनहित की भावना से संचालित किया जा रहा है। पिछले तीन वर्षों से लगातार चल रहे इस अभियान के माध्यम से हर वर्ष सैकड़ों निराश्रित गौवंशों को रेंडियम बेल्ट पहनाई जाती है। इसका उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और पशुओं के साथ-साथ लोगों के जीवन की रक्षा करना है। शिव मारुति युवा संगठन के जेनअदोलन बनाने और आम नागरिकों से इस अभियान में सहभागी बनने की अपील की है। संगठन का कहना है कि जो भी व्यक्ति इस जनहित कार्य में सहयोग करना चाहता है, वह रेंडियम बेल्ट उपलब्ध कराकर अथवा स्वयं अभियान से जुड़कर अपना योगदान दे सकता है। संगठन ने विश्वास जताया कि भविष्य में भी उसके सदस्य इसी निस्वार्थ सेवा भाव के साथ मानव जीवन और बेजुबान पशुओं की सुरक्षा के लिए कार्य करते रहेंगे।

एक रिफ्लेक्टिव बेल्ट, एक जीवन की सुरक्षा के संकल्प के साथ संगठन ने सभी नागरिकों से इस अभियान को जनअदोलन बनाने और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम में अपनी भागीदारी निभाने का आह्वान किया है।

अनूपपुर, कोतमा, बिजुरी, अमरकंटक, राजेन्द्रगाम, जैतहरी



दिखाई नहीं दे रहा?

कार्रवाई होती है, लेकिन कारोबार क्यों नहीं रुकता ?

आबकारी विभाग और पुलिस समय-समय पर छापेमारी और जब्ती की कार्रवाई करने का दावा करते हैं। प्रेस नोट जारी होते हैं और कार्रवाई की जानकारी भी सार्वजनिक की जाती है। इसके बावजूद कुछ दिनों बाद उन्हीं क्षेत्रों से फिर अवैध शराब बिक्री की शिकायतें सामने आने लगती हैं। इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या कार्रवाई केवल छोटे स्तर तक सीमित रह जाती है या फिर पूरे नेटवर्क तक पहुंचने में संबंधित एजेंसियां सफल नहीं हो पा रही हैं? लोग अब ऐसी कार्रवाई चाहते हैं जिसका स्थायी असर दिखाई दे।

नशा मुक्ति अभियान और जमीनी हकीकत में बड़ा अंतर

सरकार हर वर्ष नशा मुक्ति अभियान पर बड़ी राशि खर्च करती है। स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में शपथ, रैलियां और जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। लेकिन जब गांवों में अवैध शराब आसानी से उपलब्ध होने की शिकायतें लगातार मिलती रहें, तो इन अभियानों की प्रभावशीलता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। लोगों का कहना है कि नशे के खिलाफ सबसे बड़ी जागरूकता वही होगी, जब अवैध शराब बेचने वालों पर लगातार और कठोर कार्रवाई दिखाई दे।

शराब नहीं, पूरे परिवारों का बिक रहा भविष्य

अवैध शराब का दुष्प्रभाव केवल शराब पीने वाले व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। इसका असर पूरे परिवार पर पड़ता है। घरेलू हिंसा, आर्थिक तंगी, महिलाओं की परेशानियां, बच्चों की पढ़ाई पर असर और परिवारों का टूटना जैसी समस्याएं लगातार बढ़ती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में शराब की आसान उपलब्धता सामाजिक वातावरण को भी प्रभावित कर रही है। इसलिए यह केवल कानून व्यवस्था का नहीं, बल्कि सामाजिक और मानवीय सरोकार का भी गंभीर विषय है।

सबसे बड़े खतरे के मुहाने पर युवा पीढ़ी

ग्रामीण क्षेत्रों में शराब की बढ़ती उपलब्धता का सबसे ज्यादा असर युवाओं पर पड़ने की आशंका है। जिस उम्र में उन्हें शिक्षा,

सरकारी दावों की खुली पोल

अमरकंटक तक पहुंच रही प्रतिबंधित अंग्रेजी शराब



रोजगार और बेहतर भविष्य के लिए मेहनत करनी चाहिए, उसी उम्र में यदि नशे का वातावरण उनके आसपास बनता है, तो यह समाज के लिए गंभीर चुनौती है। यदि समय रहते इस पर प्रभावी रोक नहीं लगी, तो आने वाले वर्षों में इसके सामाजिक और आर्थिक परिणाम और भी गंभीर हो सकते हैं।

जनता को चाहिए परिणाम, दावे नहीं

लगातार सामने आ रही शिकायतों के बाद आम लोगों की अपेक्षा है कि आबकारी विभाग, पुलिस और जिला प्रशासन संयुक्त रूप से पूरे नेटवर्क की निष्पक्ष जांच करें और दोषियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई करें, जिसका असर लंबे समय तक दिखाई दे। लोगों का कहना है कि अब केवल प्रेस विज्ञप्ति, छोटी-मोटी जब्ती और औपचारिक कार्रवाई से काम नहीं चलेगा। यदि वास्तव में नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाना है, तो अवैध शराब के पूरे तंत्र पर निर्णायक प्रहार करना होगा।

बड़ा सवाल-आखिर किसके संरक्षण में चल रहा अवैध शराब का कारोबार ?

पुष्पराजगढ़ क्षेत्र के कई गांवों से लगातार अवैध अंग्रेजी शराब की बिक्री की शिकायतें सामने आ रही हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि शराब प्रतिबंधित अमरकंटक तक में शराब उपलब्ध होने की चर्चाएं स्थानीय स्तर पर हो रही हैं। यदि लगातार शिकायतों के बाद भी यह कारोबार नहीं रुक रहा है, तो स्वाभाविक रूप से सवाल उठता है कि आखिर इस पूरे नेटवर्क को किसका संरक्षण प्राप्त है? यदि संरक्षण नहीं है, तो फिर कार्रवाई का असर जमीन पर क्यों दिखाई नहीं दे रहा?

कार्रवाई होती है, लेकिन कारोबार क्यों नहीं रुकता ?

आबकारी विभाग और पुलिस समय-समय पर छापेमारी और जब्ती की कार्रवाई करने का दावा करते हैं। प्रेस नोट जारी होते हैं और कार्रवाई की जानकारी भी सार्वजनिक की जाती है। इसके बावजूद कुछ दिनों बाद उन्हीं क्षेत्रों से फिर अवैध शराब बिक्री की शिकायतें सामने आने लगती हैं। इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या कार्रवाई केवल छोटे स्तर तक सीमित रह जाती है या फिर पूरे नेटवर्क तक पहुंचने में संबंधित एजेंसियां सफल नहीं हो पा रही हैं? लोग अब ऐसी कार्रवाई चाहते हैं जिसका स्थायी असर दिखाई दे।

भगवान अमरकंट महादेव की आराधना से सिद्ध होती है मां नर्मदा की कृपा

अमरकंटक की तपोभूमि में शिव और रेवा की अनादि महिमा



है ।
श्रावण मास में प्रत्येक शिवभक्त के मुख से गूंजने वाला महामृत्युंजय मंत्र अमरकंटक की वादियों में प्रतिदिन गूंजता है। श्रावण मास में प्रातःकाल जब अमरकंटक की पर्वत-श्रृंखलाओं पर सूर्य की प्रथम किरणें पड़ती हैं, शंखध्वनि, घंटानाद, वेदघोष और हर-हर महादेव, नर्मदे हर के जयघोष से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठता है। श्रद्धालु मां नर्मदा उद्गम का पवित्र जल लेकर भगवान अमरकंट महादेव का अभिषेक करते हैं और लोककल्याण, परिवार की सुख-समृद्धि तथा आत्मिक शांति की कामना करते हैं। श्रावण का प्रत्येक सोमवार अमरकंटक में केवल एक पर्व नहीं, बल्कि शिव और रेवा की अनादि महिमा का साक्षात् अनुभूति होती है कि जहां शिव हैं, वहीं शक्ति हैं; जहां नर्मदा हैं, वहीं जीवन, तप, करुणा और मोक्ष की अंतर्गत धारा प्रवाहित होती है। श्रावण मास का पहला सोमवार आज जिले

भर में पूरे श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। जिला मुख्यालय सहित अमरकंटक, कोतमा, जैतहरी, बिजुरी, पसान, राजनगर तथा ग्रामीण क्षेत्रों के छोटे-बड़े शिव मंदिरों में सुबह ब्रह्ममूहूर्त से ही भगवान शिव के जलाभिषेक, रुद्राभिषेक, दुग्धाभिषेक और विशेष पूजन-अर्चना का क्रम शुरू होगा। पहले सावन सोमवार के अवसर पर मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसे लेकर मंदिर समितियों ने विशेष तैयारियां पूरी कर ली हैं। पवित्र नगरी अमरकंटक में स्थित भगवान अमरकंट महादेव मंदिर और मां नर्मदा उद्गम क्षेत्र में श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ रहने की संभावना है। भक्त मां नर्मदा के उद्गम से पवित्र जल लेकर भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे और परिवार की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य तथा खुशहाली की कामना करेंगे। जिले के अन्य प्रमुख शिवालयों में भी श्रद्धालु बेलपत्र, धतूरा, आक के फूल, भांग, फल-फूल और पंचामृत अर्पित करें। भोलेनाथ की पूजा करेंगे। धार्मिक मान्यता के अनुसार श्रावण मास भगवान शिव का सबसे प्रिय महीना माना जाता है। इस पूरे माह में विशेष रूप से सोमवार के दिन शिव आराधना, व्रत, जलाभिषेक और पूजन का विशेष महत्व होता है। मान्यता है कि श्रद्धा और विश्वास के साथ भगवान शिव की उपासना करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है। यही कारण है कि पहले सावन सोमवार को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। जिले के अधिकांश शिव मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। मंदिरों में फूलों की सजावट, रंग-बिरंगी रोशनी और विशेष आरती की व्यवस्था की गई है। कई स्थानों पर दिनभर



भ ज न - कीर्तन, शिव महिमा का गुणगान और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, छाया, बैठने की व्यवस्था तथा कतारबद्ध दर्शन की तैयारियां भी की गई हैं। श्रावण के पहले सोमवार पर व्रत रखने वाले श्रद्धालु सुबह स्नान-ध्यान के बाद भगवान शिव का अभिषेक करेंगे और दिनभर उपावास रखकर पूजा-अर्चना करेंगे। महिलाएं परिवार की सुख-समृद्धि और बच्चों के मंगल की कामना करेंगी, जबकि युवा और कांवड़िए भगवान शिव के जयघोष के साथ मंदिरों में जल अर्पित करेंगे। कई श्रद्धालु दिनभर धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेकर शाम की महाआरती में भी शामिल होंगे। भीड़ को देखते हुए प्रमुख मंदिरों के आसपास सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। श्रद्धालुओं से भी अपील की गई है कि वे धैर्य और अनुशासन बनाए रखते हुए दर्शन करें तथा प्रशासन और मंदिर समिति के निर्देशों का पालन करें।

